

## \* आइ. 3. सम्यन्ता →

स्थिति - उदयपुर में आइ. 3 / वेड़-च-1 की फे  
कि नारे।

\* समय - 9000 - 1200 ई.पू.

\* खोज → 1953 अक्षय कीर्ति-यात्रा

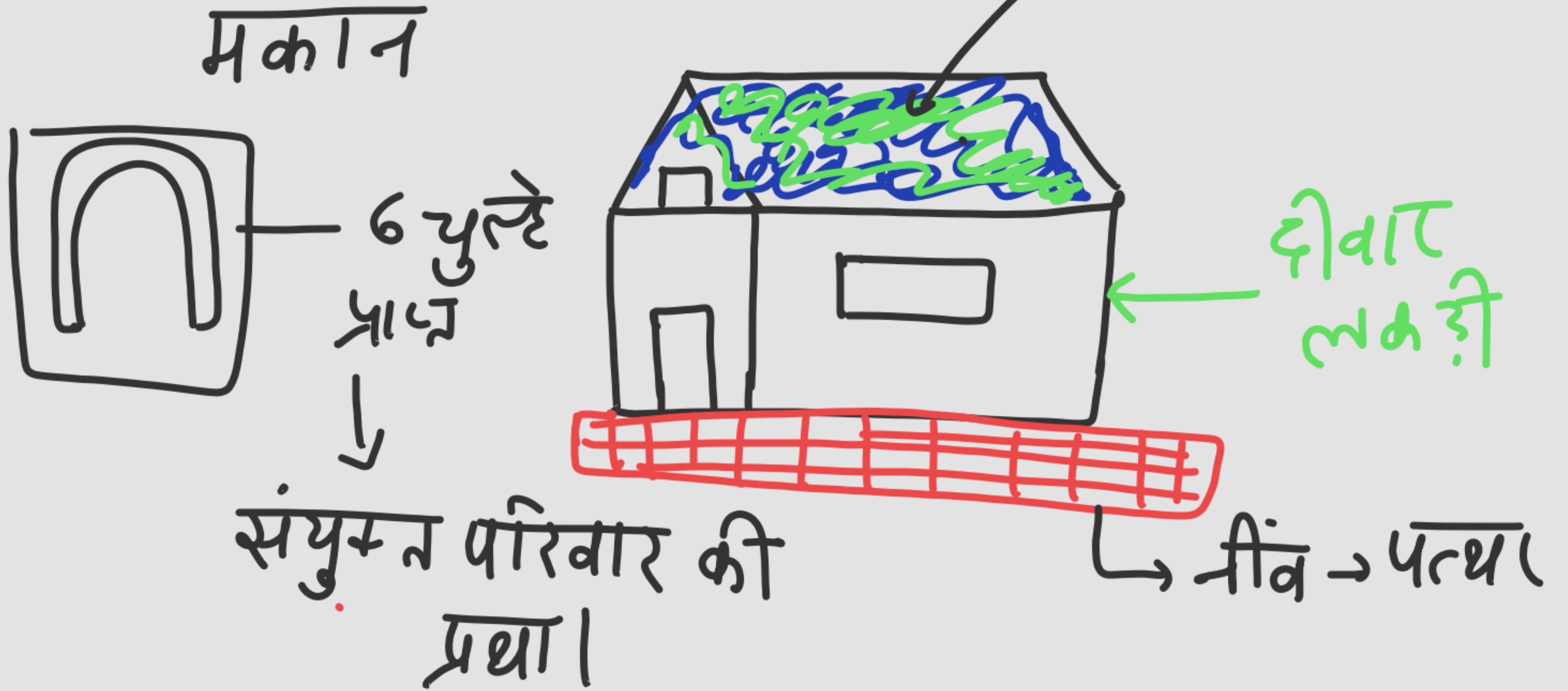
उत्खनन → 1956 → रत्नचंद्र अग्रवाल

वृहद स्तर पर उत्खनन → 1961 → ए.च. डी. शंकरलियां

अन्य नाम =>

- ✓ \* आघाटपुर की सभ्यता
- ✓ \* बड़े मुदभ्रांते की सभ्यता
- ✓ \* कोठ - गोरे की सभ्यता
- ✓ \* धूलकोट की सभ्यता
- \* वनास सभ्यता
- \* सम्रवती नगी \*

आहूत → ग्रामीण सभ्यता  
मानव → शिकारी





\* यहाँ से टेराकोटा से निर्मित वृषभ की आकृती  
की मूर्ति प्राप्त हुई जिसे ब्रह्मीयन बुल कटा  
नाथाई

\* बिना दन्धे के पानी के बर्तन प्राप्त हैं। ऐसे ही  
बर्तन हमें ईरान से प्राप्त हुए हैं जो इनका  
आपस में संबंध दर्शाते हैं।



\* आइड से नांवे की छः मुद्रा व नीर मोहरे प्राप्ति

हुई हैं जिन पर त्रिशुल व धूम्रानी देवता

अपोलो की तरकीर मिली है

\* नांबा गलाने की भाँडि, नांब का पीपक व थाली।

\* मिडी के आभूषण।